

प्रेषक,

डा० रणवीर सिंह,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्यान भवन,
चौबटिया-रानीखेत,

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-2

देहरादून: दिनांक: २५ मार्च, 2014

विषय:-0203-चाय विकास परियोजना के उपमानक मद में पुनर्विनियोग के माध्यम से ₹132.38 लाख की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-471/3-लेखा/बजट-2013-14 दिनांक 22 नवम्बर, 2014 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत 0203-चाय विकास परियोजना आयोजनागत पक्ष के 20-सहायक अनुदान/अंशदान राज सहायता हेतु कृषि विभाग के अन्तर्गत मानक मद 0203-कार्यक्रमों की केन्द्र पुरोनिधानित योजना मैक्रोमोड योजना मद में उपलब्ध बचत को संलग्न बी०एम०-9 के अनुसार ₹132.38लाख (₹एक करोड़ बत्तीस लाख अडतीस हजार मात्र) का पुनर्विनियोग करते हुए निम्नांकित शर्तानुसार व्यय हेतु आपके निर्वतन/आवंटन में रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-284/X XVII(1)/2013, दिनांक 30 मार्च, 2013 में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- (2) किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार कय प्रक्रिया(स्टोर्स पर्चेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्ठादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (3) अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- (4) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (5) व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।
- (6) व्यय की सूचना प्रपत्र बी० एम०-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

(7) उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि निदेशक, चाय विकास बोर्ड, अल्मोडा को तात्कालिकता से अवमुक्त कर दी जाय, ताकि फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।

(8) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401 फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत 119-बागवानी और सब्जियों की फसलें 02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के उपमानक मद 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न बी0एम0-9 के कॉलम-01 की बचतों से वहन किया जायेगा।

(9) यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-179(P)/वित्त अनु0-4/13 दिनांक 22 मार्च, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

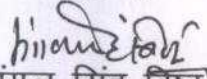
(डा० रणवीर सिंह)
प्रमुख सचिव।

संख्या-270(1)/XVI-2/14/7(28)/2013, तददिनांक:

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. जिला अधिकारी अल्मोडा।
3. निदेशक, उत्तराखण्ड चाय विकास बोर्ड, अल्मोडा।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, चौबटिया रानीखेत उत्तराखण्ड।
- ✓ 5. बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- ✓ 7. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से


(मंगल सिंह बिष्ट)
अनु सचिव।

उत्तराखण्ड शासन
(वित्तीय वर्ष 2013-2014)
बी.एम. - 09

अनुदान संख्या - 030
पुनर्वित्तियोग स्वीकृति आदेश संख्या - 270/XVI-2/2014/7(2B)/20

बजट संख्या - R1403300266
दिनांक - 13-Mar-2014

क्रम संख्या	वचन प्राविधान तथा लेखाविवरण (1)	मानक प्रत्यक्ष व्यय (2)	वित्तीय वर्ष के अवधि में अनुमानित व्यय (3)	अवशेष सरप्लस समायोजित धनराशि (4)	लेखादीर्घक विषय धनराशि स्थानान्तरित की जाती है (5)	पुनर्वित्तियोग के बाद स्वरूप -5 की कुल धनराशि (6)	पुनर्वित्तियोग के बाद स्वरूप -1 में कुल धनराशि	वर्धित (In Rupees)
2401 फसल कृषि कर्म 00 102 छायाओं की फसलें 02 अनुसूचित जातियों के लिए स्थल कर्मों 03 कार्यक्रमों की केन्द्र पुरोनिधानित योजना (Plan Voted)								
1	20 - सहायक अनुदान/अनुदान/र 25000000	0	11762000	13238000	20 - सहायक अनुदान/अनुदान/राज सहा 13238000	23238000	11762000	
योग				13238000	योग 13238000			

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्वित्तियोग से वचन धनराशि के परिच्छेद 133, 134 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

पुनर्वित्तियोग किये जाने हेतु प्रपत्र 09 की मूल प्रति वित्तीय डाटा सेक्टर 23- लक्ष्मी रोड डालनवाला, देहरादून को उपलब्ध करायी

संख्या: 173 (P)
सेवा में, XXVII(4)/2013 दिनांक: 22 मार्च, 2014

महालेखाकार, (ए.ए.एड.ई.)
उत्तराखण्ड, देहरादून।

(एल.एन.एन.)
अपर सचिव,
वित्त विभाग।

(मंगल सिंह बिष्ट)
अनु सचिव,
उद्यान एवं रेशम।

संख्या-270(1)/XVI-2/13-7(28)/2013 तदुद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. सम्बन्धित विभाग/अध्यक्ष/नियंत्रक अधिकारी।
2. निदेशक, कोषागार 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
3. मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी देहरादून।
4. वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।

(मंगल सिंह बिष्ट)
अनु सचिव,
उद्यान एवं रेशम।